राज
कॉमिक्स
संख्या 596

अश्वराज और कालाखोर

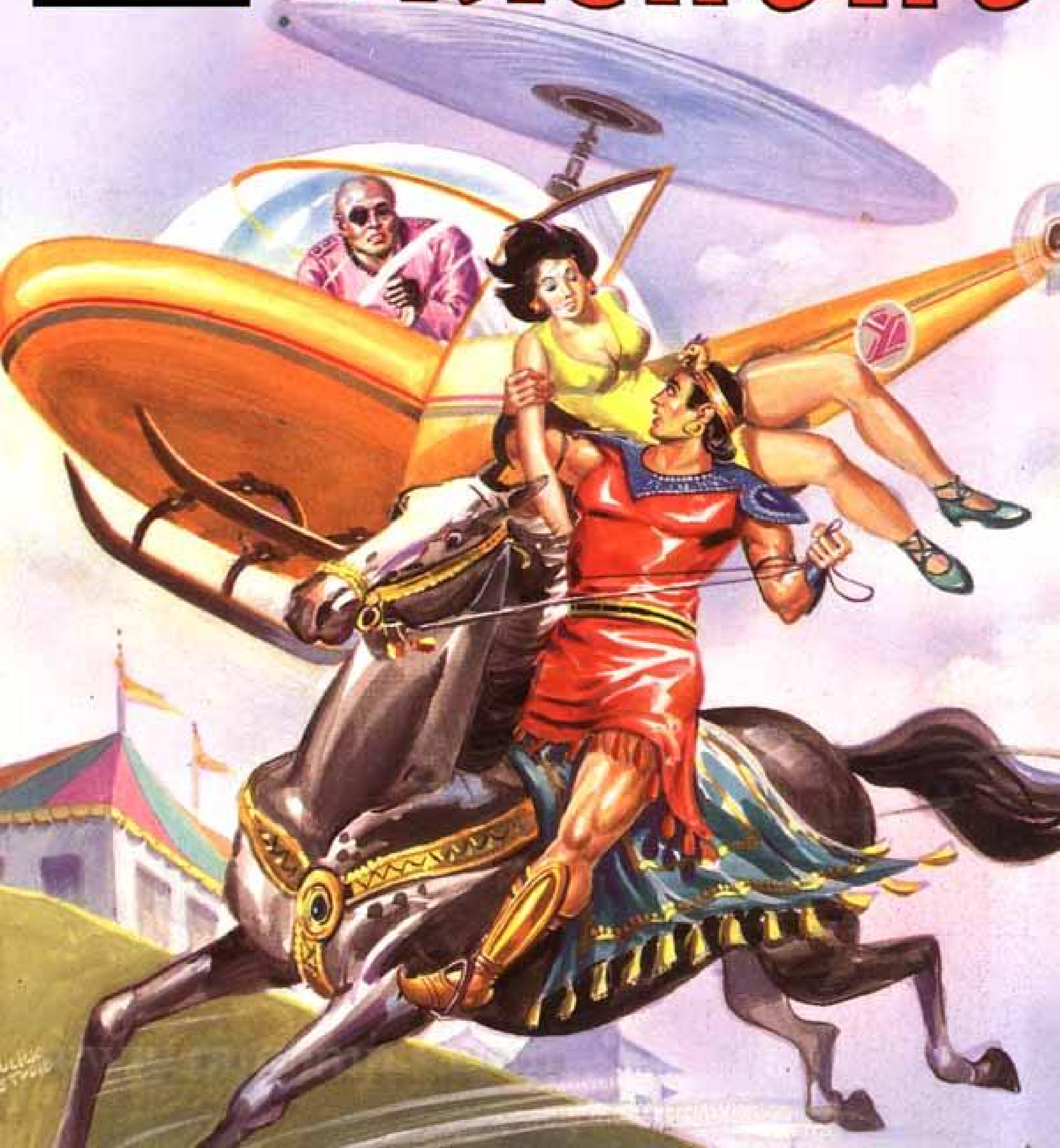

अश्वराज और कालाखोर
लेखक :- तरुण कुमार वाही
कलानिर्देशन :- प्रताप मुलीक
चित्र :- मिलींद मिसाळ, विट्ठल कांबळे
सम्पादन :- मनीष गुप्ता
पृथ्वी पर हुई रथ मैराथन प्रतियोगिता, जिसका शानदार पुरस्कार थी अद्वितीय सुन्दरी कुदुमछुम्बी!
इस प्रतियोगिता में कई प्रतियोगियों के साथ हिस्सा लिया अश्वलोक के विलक्षण अश्वमानव इच्छाधारी अश्वराज ने भी।
कुदुमछुम्बी को प्राप्त किया अश्वराज ने ही। क्योंकि उसके पांचों विलक्षण घोड़े ...
... रक्ताम्बर, जो दूर तक देख सकता है। कालाखोर, जो दूर तक सूंघ सकता है। अश्वट, जो मानवों की तरह बोल सकता है। श्रव्यशक्ति जो दूर तक सुन सकता है और नीलकंठ, बुद्धि में जिसका कोई सानी नहीं। सबसे तेज दौड़े थे उस प्रतियोगिता में--
समय चक्र चलता रहा।
कई बाधाओं को पार करके अश्वमेधयज्ञ के घोड़े कल्पतरु को परिक्रमा करवाकर अश्वराज चक्रवर्ती सम्राट बना।
चक्रवर्ती अश्वसम्राट जिन्दाबाद

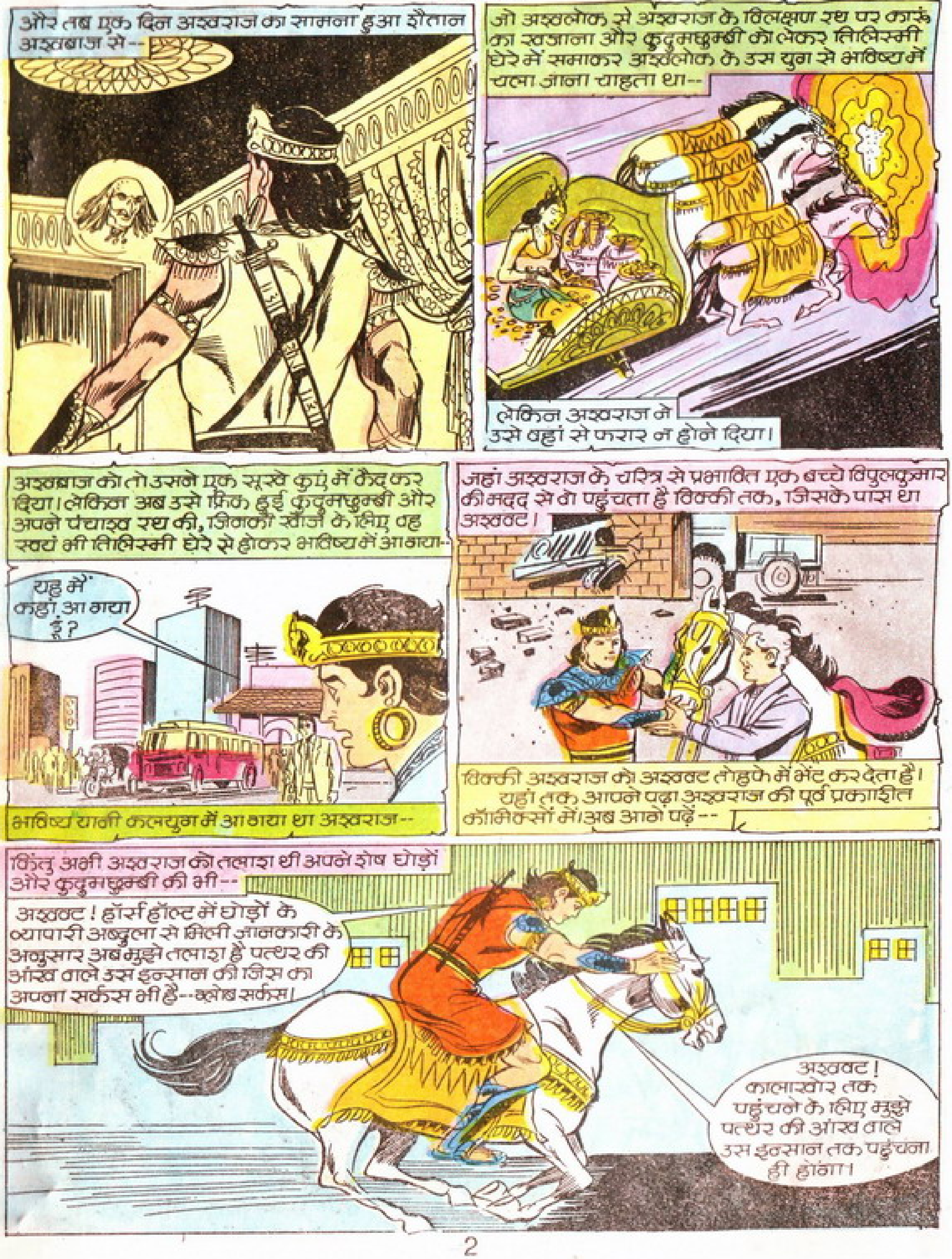
और तब एक दिन अश्वराज का सामना हुआ शैतान अश्वबाज से--
जो अश्वलोक से अश्वराज के विलक्षण रथ पर कारूं का खजाना और कुदुमछुम्बी को लेकर तिलिस्मी घेरे में समाकर अश्वलोक के उस युग से भविष्य में चला जाना चाहता था--
लेकिन अश्वराज ने उसे वहां से फरार न होने दिया।
अश्वबाज को तो उसने एक सूखे कुएं में कैद कर दिया। लेकिन अब उसे फिक्र हुई कुदुमछुम्बी और अपने पंचाश्व रथ की, जिनकी खोज के लिए वह स्वयं भी तिलिस्मी घेरे से होकर भविष्य में आ गया--
यह मैं कहां आ गया हूं?
भविष्य यानी कलयुग में आ गया था अश्वराज--
जहां अश्वराज के चरित्र से प्रभावित एक बच्चे विपुलकुमार की मदद से वो पहुंचता है विक्की तक, जिसके पास था अश्ववट।
विक्की अश्वराज को अश्ववट तोहफे में भेंट कर देता है। यहां तक आपने पढ़ा अश्वराज की पूर्व प्रकाशित कॉमिक्सों में। अब आगे पढ़ें--
किंतु अभी अश्वराज को तलाश थी अपने शेष घोड़ों और कुदुमछुम्बी की भी--
अश्ववट! हॉर्स हॉल्ट में घोड़ों के व्यापारी अब्दुला से मिली जानकारी के अनुसार अब मुझे तलाश है पत्थर की आंख वाले उस इन्सान की जिस का अपना सर्कस भी है--ग्लोब सर्कस।
अश्ववट! कालाखोर तक पहुंचने के लिए मुझे पत्थर की आंख वाले उस इन्सान तक पहुंचना ही होगा।

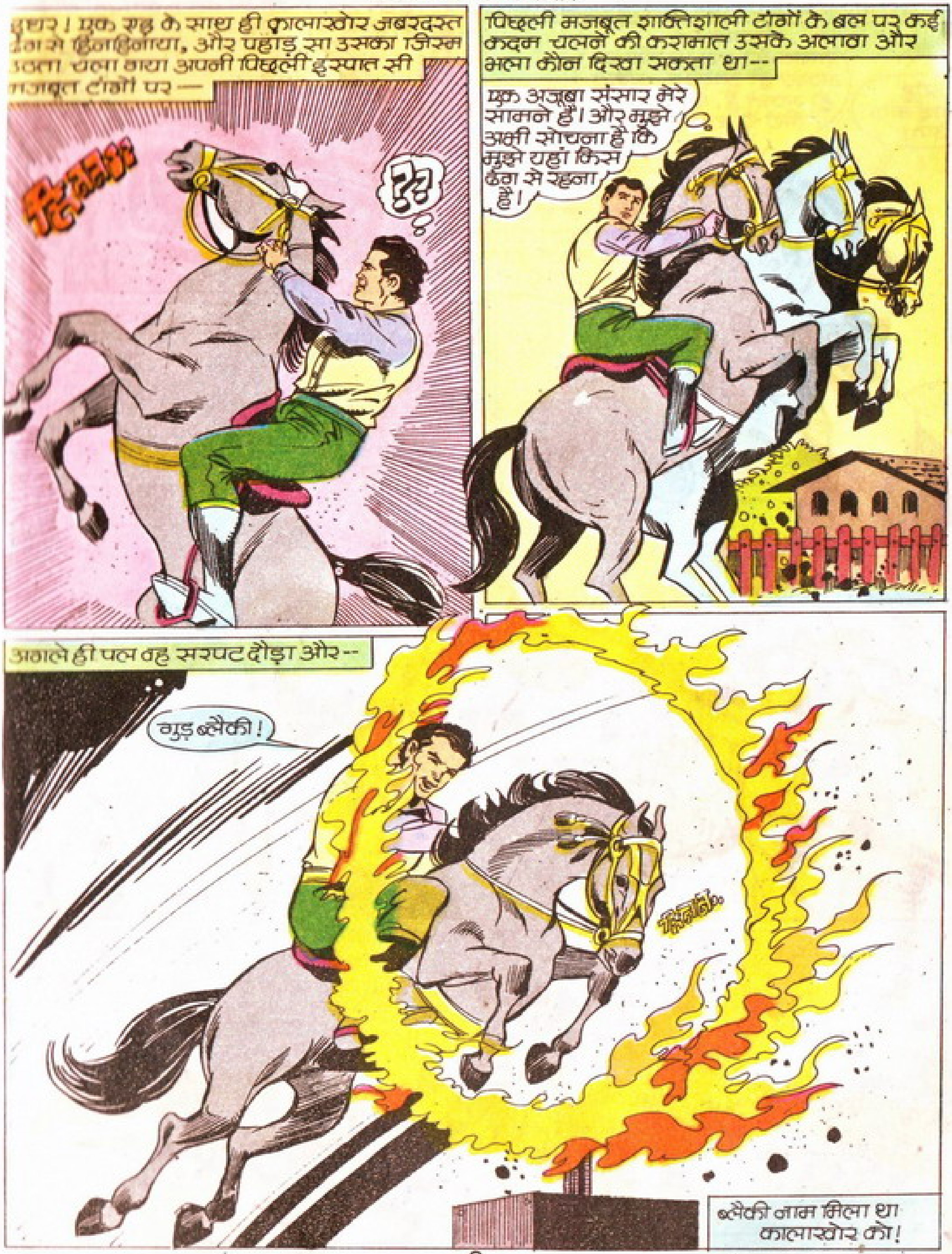
धार! एक रुढ़ के साथ ही कालाखोर जबरदस्त ढंग से हिनहिनाया, और पहाड़ सा उसका जिस्म उठता चला गया अपनी पिछली इस्पात सी मजबूत टांगों पर —
??
पिछली मजबूत शक्तिशाली टांगों के बल पर कई कदम चलने की करामात उसके अलावा और भला कौन दिखा सकता था--
एक अजूबा संसार मेरे सामने है। और मुझे अभी सोचना है कि मुझे यहां किस ढंग से रहना है।
अगले ही पल वह सरपट दौड़ा और --
गुड ब्लैकी!
ब्लैकी नाम मिला था कालाखोर को!

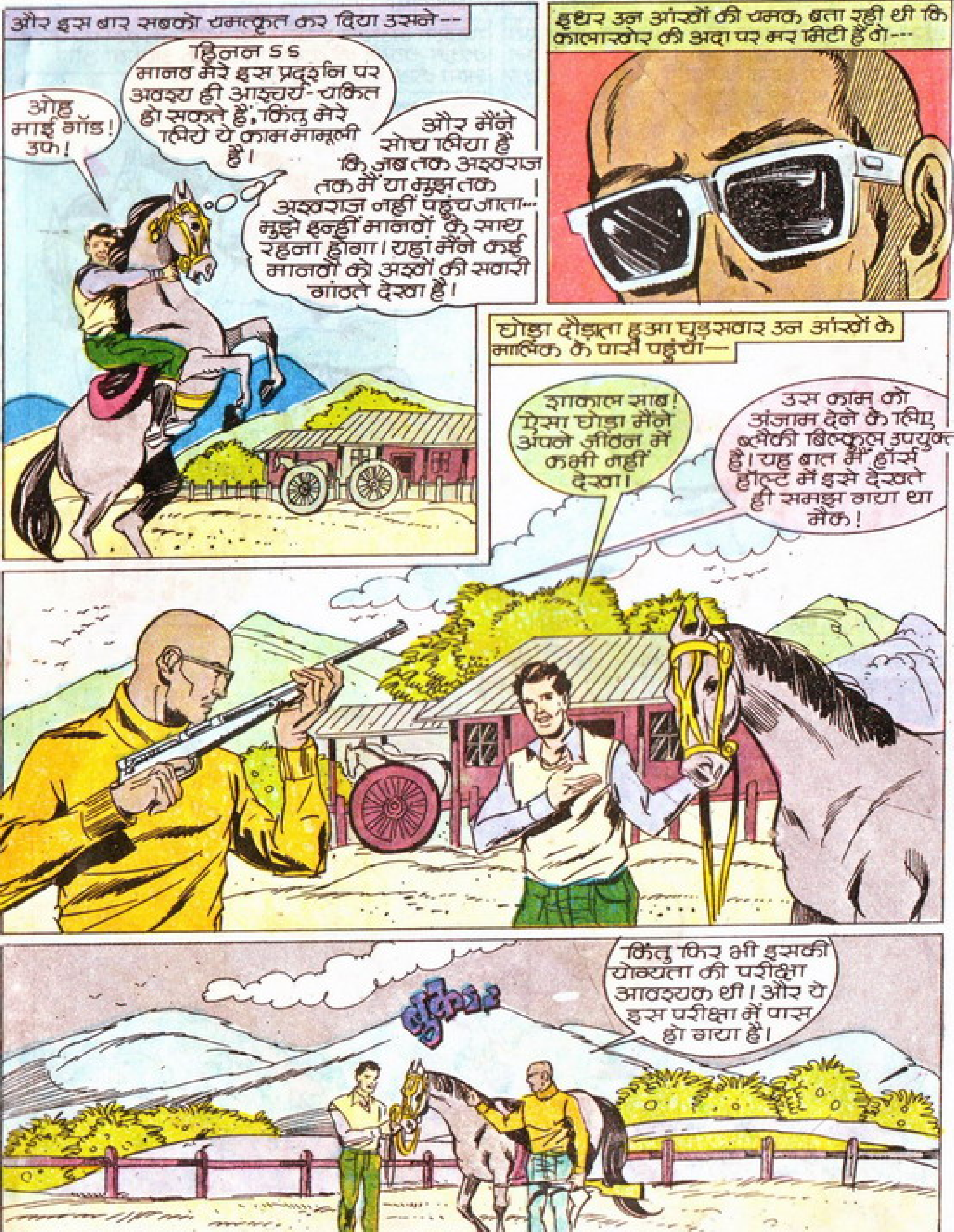
और इस बार सबको चमत्कृत कर दिया उसने--
ओह माई गॉड! उफ!
हिनन ऽऽ मानव मेरे इस प्रदर्शन पर अवश्य ही आश्चर्य-चकित हो सकते हैं, किंतु मेरे लिये ये काम मामूली है।
और मैंने सोच लिया है कि जब तक अश्वराज तक मैं या मुझ तक अश्वराज नहीं पहुंच जाता... मुझे इन्हीं मानवों के साथ रहना होगा। यहां मैंने कई मानवों को अश्वों की सवारी गांठते देखा है।
इधर उन आंखों की चमक बता रही थी कि कालाखोर की अदा पर मर मिटी हैं वो---
घोड़ा दौड़ाता हुआ घुड़सवार उन आंखों के मालिक के पास पहुंचा—
शाकाल साब! ऐसा घोड़ा मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा।
उस काम को अंजाम देने के लिए ब्लैकी बिल्कुल उपयुक्त है। यह बात मैं हॉर्स हॉल्ट में इसे देखते ही समझ गया था मैक!
किंतु फिर भी इसकी योग्यता की परीक्षा आवश्यक थी। और ये इस परीक्षा में पास हो गया है।

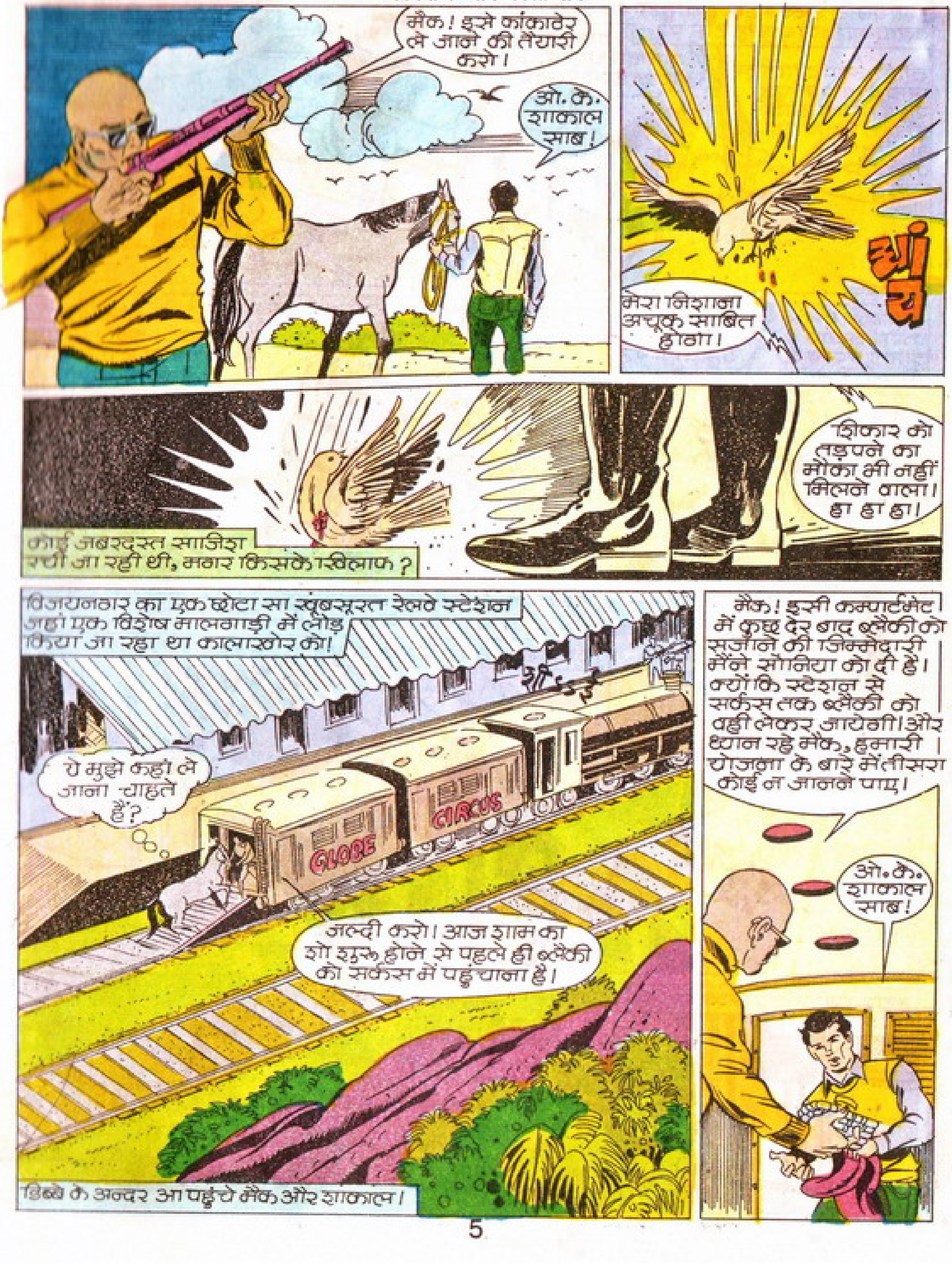
मैक! इसे कांकाठेर ले जाने की तैयारी करो।
ओ.के. शाकाल साब!
धांय
मेरा निशाना अचूक साबित होगा।
शिकार को तड़पने का मौका भी नहीं मिलने वाला। हा हा हा!
कोई जबरदस्त साजिश रची जा रही थी, मगर किसके खिलाफ?
विजयनगर का एक छोटा सा खूबसूरत रेलवे स्टेशन जहां एक विशेष मालगाड़ी में लोड किया जा रहा था कालाखोर को!
ये मुझे कहां ले जाना चाहते हैं?
GLOBE CIRCUS
जल्दी करो। आज शाम का शो शुरू होने से पहले ही ब्लैकी को सर्कस में पहुंचाना है।
डिब्बे के अन्दर आ पहुंचे मैक और शाकाल।
मैक! इसी कम्पार्टमेंट में कुछ देर बाद ब्लैकी को सजाने की जिम्मेदारी मैंने सोनिया को दी है। क्यों कि स्टेशन से सर्कस तक ब्लैकी को वही लेकर जायेगी। और ध्यान रहे मैक, हमारी योजना के बारे में तीसरा कोई न जानने पाए।
ओ.के. शाकाल साब!

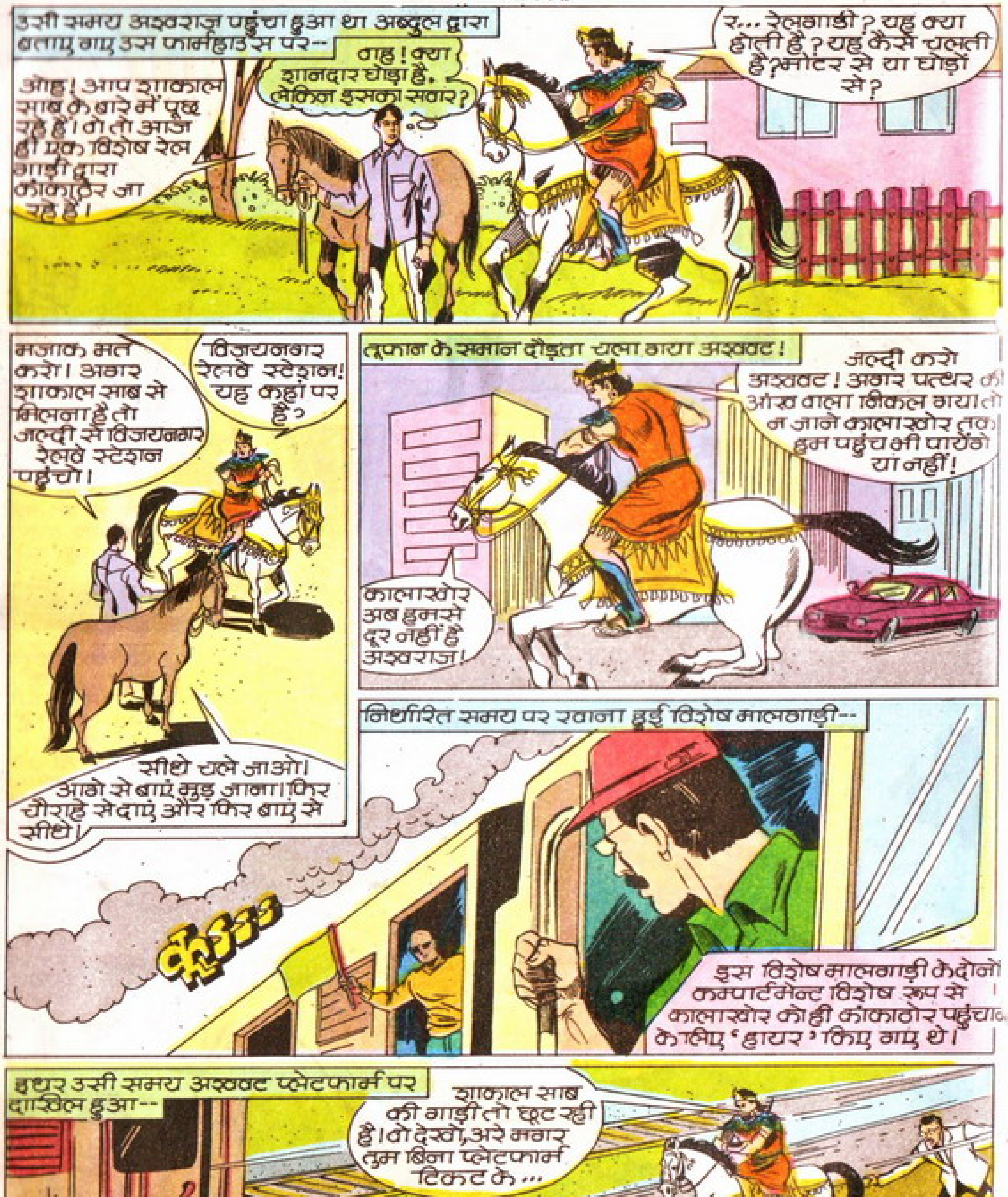
उसी समय अश्वराज पहुंचा हुआ था अब्दुल द्वारा बताए गए उस फार्महाउस पर--
वाह! क्या शानदार घोड़ा है. लेकिन इसका सवार?
ओह! आप शाकाल साब के बारे में पूछ रहे हैं। वो तो आज ही एक विशेष रेल गाड़ी द्वारा कांकाठेर जा रहे हैं।
र... रेलगाड़ी? यह क्या होती है? यह कैसे चलती है? मोटर से या घोड़ों से?
विजयनगर रेलवे स्टेशन! यह कहां पर है?
मजाक मत करो। अगर शाकाल साब से मिलना है तो जल्दी से विजयनगर रेलवे स्टेशन पहुंचो।
सीधे चले जाओ। आगे से बाएं मुड़ जाना। फिर चौराहे से दाएं और फिर बाएं से सीधे।
तूफान के समान दौड़ता चला गया अश्ववट!
जल्दी करो अश्ववट! अगर पत्थर की आंख वाला निकल गया तो न जाने कालाखोर तक हम पहुंच भी पायेंगे या नहीं!
कालाखोर अब हमसे दूर नहीं है अश्वराज!
निर्धारित समय पर रवाना हुई विशेष मालगाड़ी--
कूऽऽऽ
इस विशेष मालगाड़ी के दोनों कम्पार्टमेन्ट विशेष रूप से कालाखोर को ही कांकाठेर पहुंचाने के लिए 'हायर' किए गए थे।
इधर उसी समय अश्ववट प्लेटफार्म पर दाखिल हुआ--
शाकाल साब की गाड़ी तो छूट रही है। वो देखो, अरे मगर तुम बिना प्लेटफार्म टिकट के...

गाड़ी के पीछे दौड़ पड़ा अश्वट--
अब किसी अगर मगर के लिए समय नहीं है। चल अश्वट!
उफ! इस उबड़-खाबड़ जमीन पर गाड़ी को नियंत्रित कर पाना आसान नहीं!
तेज! और तेज अश्वट!
CIRCUS
अश्वराज! तुम इस रेलगाड़ी पर चढ़ जाओ!

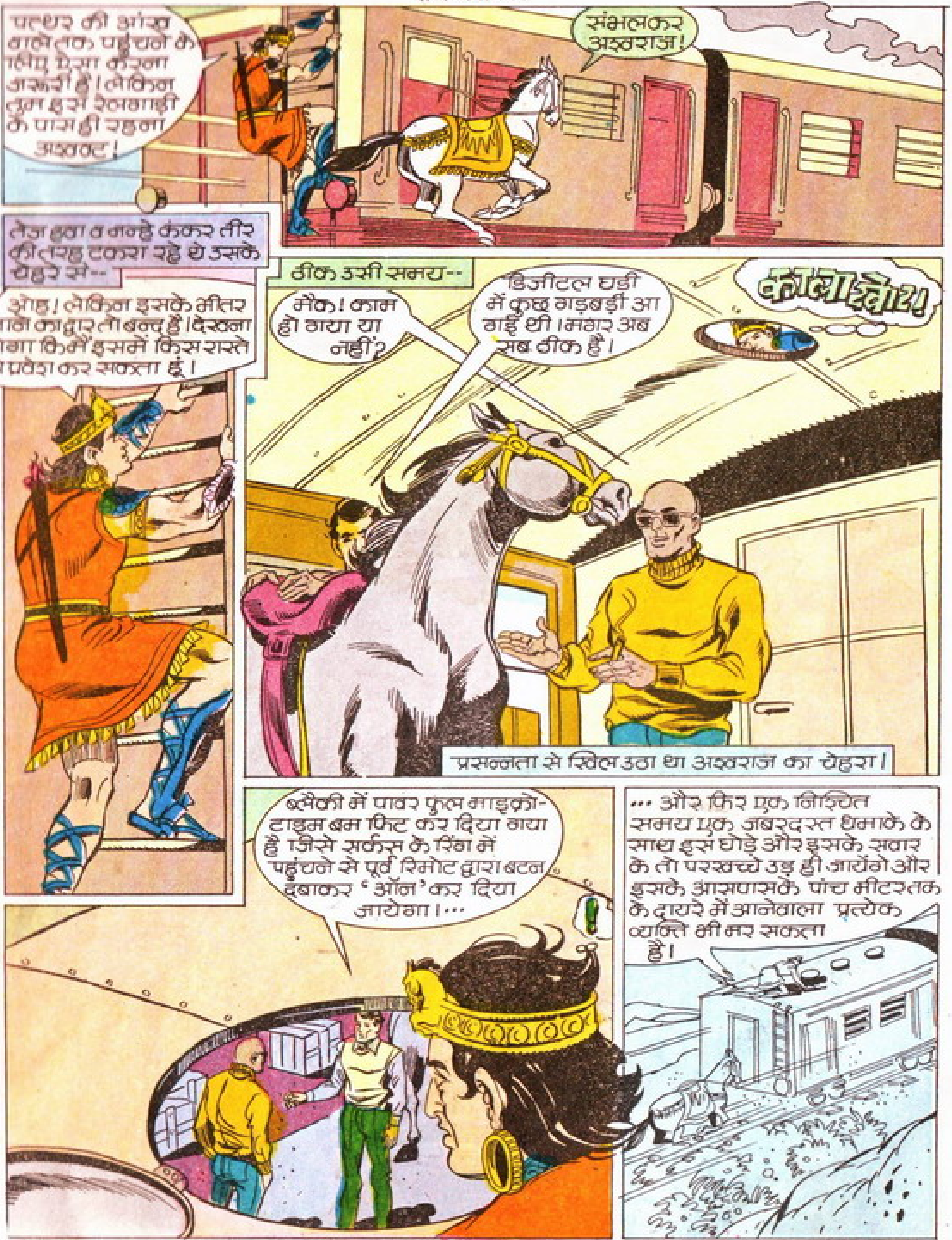
पत्थर की आंख वालों तक पहुंचने के लिए ऐसा करना जरूरी है। लेकिन तुम इसी रेलगाड़ी के पास ही रहना अश्वट!
संभलकर अश्वराज!
तेज हवा व नन्हे कंकर तीर की तरह टकरा रहे थे उसके चेहरे से--
ओह! लेकिन इसके भीतर जाने का द्वार तो बन्द है। देखना होगा कि मैं इसमें किस रास्ते से प्रवेश कर सकता हूं।
ठीक उसी समय--
मैक! काम हो गया या नहीं?
डिजीटल घड़ी में कुछ गड़बड़ी आ गई थी। मगर अब सब ठीक है।
कौन होगा!
प्रसन्नता से खिल उठा था अश्वराज का चेहरा।
बग्गी में पावर फुल माइक्रो-टाइम बम फिट कर दिया गया है जिसे सर्कस के रिंग में पहुंचने से पूर्व रिमोट द्वारा बटन दबाकर 'ऑन' कर दिया जायेगा।...
!
... और फिर एक निश्चित समय एक जबरदस्त धमाके के साथ इस घोड़े और इसके सवार के तो परखच्चे उड़ ही जायेंगे और इसके आसपास के पांच मीटर तक के दायरे में आनेवाला प्रत्येक व्यक्ति भी मर सकता है।

सिर्फ ...निशाना अचूक होना चाहिए।
ये लोग कोई षड्यन्त्र रच रहे हैं।
पत्थर की आंख। यही है शाकाल, लेकिन मैक नाम के इस दूसरे शैतान ने अभी-अभी क्या कहा?
अब शेष कार्य सोनिया को करना है क्योंकि ट्रेन अब कांकारेर के निकट है।
कालाखोर सुन चुका था उसका एक-एक शब्द—
शाकाल व मैक के दूसरे कम्पार्टमेंन्ट में प्रवेश के साथ ही नीचे आ गया अश्वराज--
कालाखोर!
हिनहिन
उफ! अश्वराज, तुम यहां?
भावुक होकर अश्वराज लिपट गया कालाखोर से
ओह, कालाखोर। तुम्हारी खोज में कहां-कहां नहीं भटका मैं।
मैं तो सोच रहा था कि इस अजूबे संसार में अब तुमसे भेंट भी हो पायेगी या नहीं अश्वराज! उफ!
कालाखोर! मैं तुझे यहां से ले जाने आया हूं। लेकिन मुझे आभास हो रहा है कि यहां से मैं तुझे आसानी से नहीं ले जा पाऊंगा।
...क्योंकि इन लोगों ने शायद कोई खतरनाक विस्फोटक वस्तु तेरे शरीर में कहीं छिपा दी है, जिसकी भयानकता का असर दूर-दूर तक हो सकता है।
हालांकि कालाखोर की हिनहिनाहट को शब्दों के रूप में केवल अश्वराज ही अश्वराज तक पहुंचा सकता है, मगर इस समय जैसे अश्वराज उसकी भावना में डूबे एक-एक शब्द को समझ रहा था।
तेरी जान खतरे में है कालाखोर! और तेरे साथ-साथ शायद कुछ जानें और भी।

कालाखोर! जब तक वह खतरा दूर नहीं जाए, तू स्वयं भी यहां से फरार होने की चेष्टा करने की भूल हर्गिज न करना अन्यथा अपने आग्नेयास्त्रों से ये तुझे नुकसान पहुंचा सकते हैं।
मैं वह विस्फोटक खोजने का प्रयत्न करता हूं।
??
इसी पल एक कम्पार्टमेन्ट को दूसरे कम्पार्टमेन्ट से जोड़ने वाले द्वार पर हुई आहट को सुनकर चौंक पड़ा अश्वराज।
शायद कोई आ रहा है। मैं छिपता हूं।
मैक के साथ प्रवेश किया सोनिया ने —
सोनिया! ये है ब्लैकी। इसे इतना अधिक खूबसूरत बना दो कि प्रेसीडेन्ट साब की आंखें इसे देखकर झपकना भूल जाएं।
मुझे धैर्य से काम लेना होगा।
सोनिया ने अपना बैग खोला --
सचमुच शानदार घोड़ा है।
??
सोनिया! इसे और अधिक शानदार बनाना अब तुम्हारा काम है।
जबकि मुझे किसी की मौत को शानदार बनाना है।
एक झटके से उस पुतले का सिर उड़ाती चली गई मैक की तलवार --
खनाक

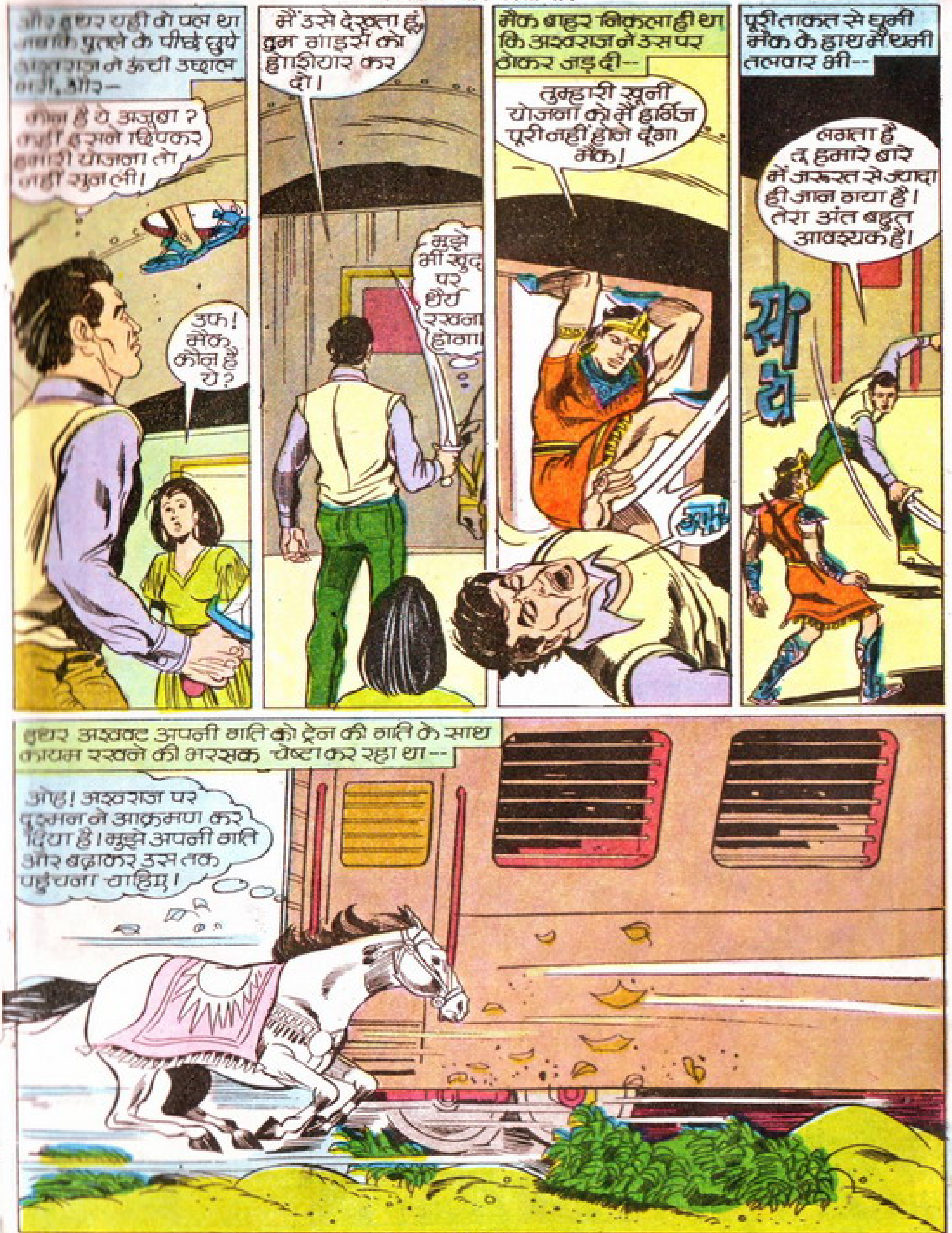
और इधर यही वो पल था जबकि पुतले के पीछे छुपे अश्वराज ने ऊंची उछाल भरी, और--
कौन है ये अजूबा? कहीं इसने छिपकर हमारी योजना तो नहीं सुन ली।
उफ! मैक, कौन है ये?
मैं उसे देखता हूं, तुम गार्ड्स को होशियार कर दो।
मुझे भी खुद पर धैर्य रखना होगा।
मैक बाहर निकला ही था कि अश्वराज ने उस पर ठोकर जड़ दी--
तुम्हारी खूनी योजना को मैं हर्गिज पूरी नहीं होने दूंगा मैक।
पूरी ताकत से घूमी मैक के हाथ में थमी तलवार भी--
लगता है तू हमारे बारे में जरूरत से ज्यादा ही जान गया है। तेरा अंत बहुत आवश्यक है।
इधर अश्वपट अपनी गति को ट्रेन की गति के साथ कायम रखने की भरसक चेष्टा कर रहा था--
ओह! अश्वराज पर दुश्मन ने आक्रमण कर दिया है। मुझे अपनी गति और बढ़ाकर उस तक पहुंचना चाहिए।

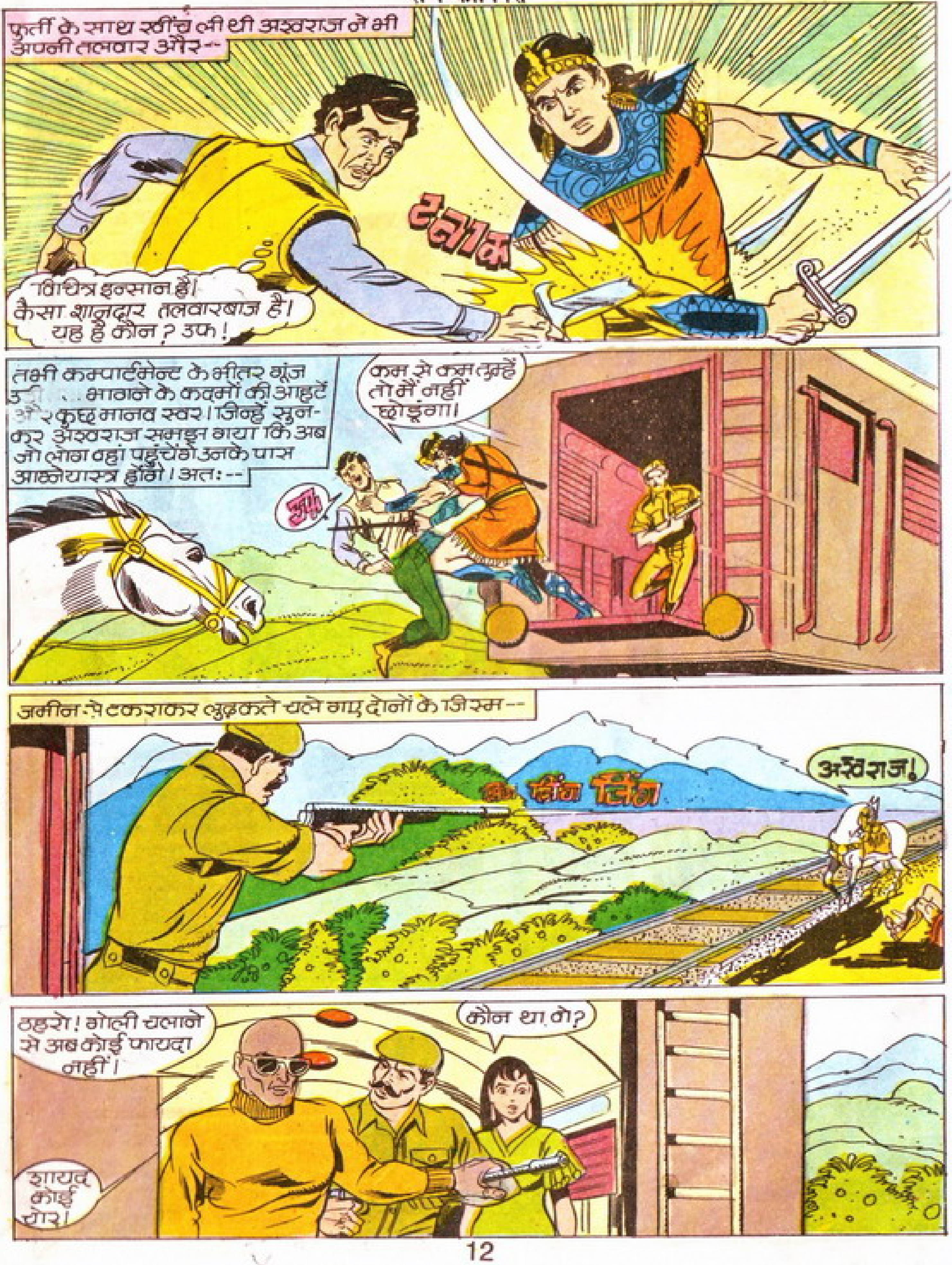
फुर्ती के साथ खींच ली थी अश्वराज ने भी अपनी तलवार और--
टन्नाक
विचित्र इन्सान है! कैसा शानदार तलवारबाज है! यह है कौन? उफ!
तभी कम्पार्टमेन्ट के भीतर गूंज उठी... भागने के कदमों की आहटें और कुछ मानव स्वर। जिन्हें सुनकर अश्वराज समझ गया कि अब जो लोग वहां पहुंचेंगे उनके पास आग्नेयास्त्र होंगे। अतः--
कम से कम तुम्हें तो मैं नहीं छोड़ूंगा।
जमीन से टकराकर लुढ़कते चले गए दोनों के जिस्म--
ठिंग ठिंग
अश्वराज!
ठहरो! गोली चलाने से अब कोई फायदा नहीं!
कौन था वो?
शायद कोई चोर!

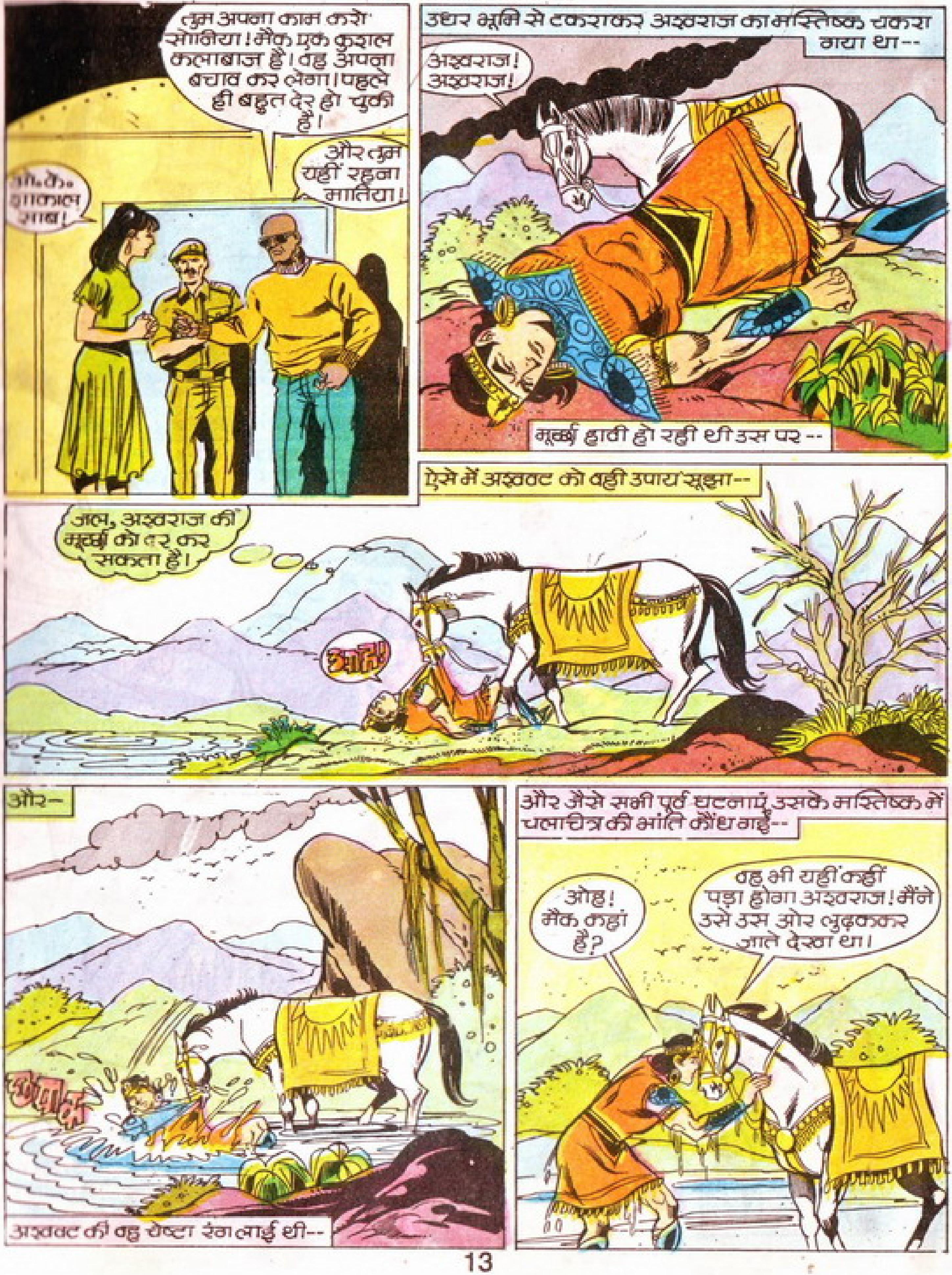
तुम अपना काम करो सोनिया! मैक एक कुशल कलाबाज है। वह अपना बचाव कर लेगा। पहले ही बहुत देर हो चुकी है।
और तुम यहीं रहना मानिया!
ओ.के. डाकाल साब!
उधर भूमि से टकराकर अश्वराज का मस्तिष्क चकरा गया था--
अश्वराज! अश्वराज!
मूर्छा हावी हो रही थी उस पर--
ऐसे में अश्ववट को वही उपाय सूझा--
जल, अश्वराज की मूर्छा को दूर कर सकता है।
और--
अश्ववट की वह चेष्टा रंग लाई थी--
और जैसे सभी पूर्व घटनाएं उसके मस्तिष्क में चलचित्र की भांति कौंध गईं--
ओह! मैक कहां है?
वह भी यहीं कहीं पड़ा होगा अश्वराज! मैंने उसे उस ओर लुढ़ककर जाते देखा था।